आने वाला कल...

कड़ी संख्या 5

भविष्य की ओर बढ़ते कदम...

आलेख व अनुसंधान– डॉ. अनुराग शर्मा

संकल्पना और समन्वय: बी. के. त्यागी

पात्र

मेजर श्रीकांत– करीब 24–30 वर्ष, फौज में कमांडो और एआई एक्सपर्ट है

कर्नल बिजेंद्र– करीब 45 वर्ष, फौज में आईटी एक्सपर्ट

कर्नल वसीम– करीब 45 वर्ष, कमांडिंग ऑफिसर

मेजर कल्याणी– करीब 30 वर्ष, डॉक्टर हैं और टेक्नोलॉजी जिज्ञासु

सुबेदार मेजर राघव– 48 वर्ष, कैप्टन श्रीकांत के साथ पोस्टिड

सिस्टर/नर्स

दृश्य 1

(ट्रक, जीप आदि अनेक वाहनों के चलने की आवाजें, आर्मी की पूरी यूनिट जा रही है...)

सुबेदार राघव– श्रीकांत साहब, आपने मिठाई नहीं खिलाई?

श्रीकांत – किस बात की मिठाई, राघव जी?

सुबेदार राघव– क्या साहब अब आप कैप्टन से मेजर हो गए और मिठाई तक नहीं?

कर्नल बिजेंद्र– क्या बात कर रहे हो राघव, श्रीकांत के मेजर होने की मिठाई तो पूरी यूनिट ने खाई थी, आप कहां थे तब?

श्रीकांत– अरे कर्नल बिजेंद्र, राघव जी तब सुबेदार से सुबेदार मेजर होने की पार्टी में व्यस्थ थे...इन्हे कहां हमारी याद रही होगी...

–हंसी–

राघव– क्या कर्नल साहब, आपने तो मुझे ही फंसा दिया, चलिए आज का ऑपरेशन खत्म करके, मेरी तरफ से आप सभी को पार्टी...असल में, मैं ही गायब था उस दिन...अब भरपाई कर दूंगा...

कर्नल बिजेंद्र– चलिए, ये तय रहा...

– तभी तेज गोलाबारी की आवाजें...तड़ातड़ गोलियां चलने की आवाज...–

कर्नल बिजेंद्र– श्रीकांत, अर्लट ट्रूप्स...हम अपने डेस्टिनेशन पर पहुंच गए हैं...यहां कर्नल वसीम की यूनिट है और करीब बीस ये पच्चीस आतंकवादियों को उनकी टीम ने घेर लिया है...चलो...मूव...मूव...

– बूटों की आवाज... –

मेजर श्रीकांत– राघव जी, आप तीन जवानों को लेजाकर, ये डिवाइस उस घर की छत पर लगवा दिजिए...

राघव– जी सर...

तेज कदमों से...लगभग भागते हुए कदमों की आवाज...

कर्नल बिजेंद्र– थोड़ी दबी आवाज में– कर्नल वसीम...हॉय...हम आ गए है...सभी उपकरण साथ हैं और इंस्टॉल किए जा रहे हैं...

कर्नल वसीम– वेलकम टू हैल कर्नल बिजेंद्र...यार...इनके पास मोटर और रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड्स भी हैं...बहुत तैयारी से आए हैं...मेरे कई जवान घायल हुए हैं...अब अपने रोबोट का कमाल दिखाओ...मेजर श्रीकांत कहां हैं?

कर्नल बिजेंद्र– वो उस दिवार के पीछे आपनी टीम के साथ...और वो देखिए आपका रोबोट, ड्रोन और पूरा सिस्टम चालू है...

– गोलियों को आवाज –

सुबेदार राघव– **श्रीकांत** सर, डिवाइस लगा दी है...

श्रीकांत– हां...गुड...मुझे कवर करिए...मैं थोड़ा आगे जा रहा हूं...रेंज की प्रोब्लम आ रही है...

सुबेदार राघव– श्रीकांत साहब को कवरिंग फायर दो...

– गोलियों की तेज आवाज –

कर्नल वसीम– **श्रीकांत** का रोबोट आगे जा रहा है...दिवार की दरार से देख रहा है... विज्युअल्स आ रहे हैं...ड्रोन के भी विज्युअल्स आ गए हैं...लो सभी की लोकेशन पता चल गई है...कोई बंधक नहीं है...नो होस्टेज...नो होस्टेज...फुल अटैक...फुल अटैक...

– गोलाबारी की तेज आवाज –

कर्नल बिजेंद्र– कर्नल वसीम, ये श्रीकांत उस घर के ज्यादा नजदीक पहुंच गया है...इमेज में तो अठ्ठारह आतंकवादी नजर आ रहें, वसीम तुम कह रहे थे बीस–पच्चीस हैं?

कर्नल वसीम– ओह...कुछ आतंकवादी, पीछे से बाहर निकल गए हैं...श्रीकांत को पता चल गया है, वो उन्हे ही इंगेज करने जा रहा है...अरे...

– गोलाबारी की तेज आवाज –

राघव– श्रीकांत सर, हमने इन्हे घेर लिया है...फायर...

– गोलाबारी की तेज आवाज...तभी तेज धमाके की आवाज... –

वसीम– चिल्लाकर– अरे...श्रीकांत...

एंबूलेंस के साइरन की तेज आवाज

राघव– कर्नल वसीम साहब, श्रीकांत जी की कैसी तबियत है...काफी बुरी तरह घायल हैं...

कर्नल वसीम– राघव जी, श्रीकांत की हालत अभी ठीक नहीं है, उसे जल्द ऑपरेशन की जरूरत है और विशेषज्ञ दूसरे सैनिक के ऑपरेशन में व्यस्थ हैं...कर्नल बिजेंद्र... क्या रहा...

कर्नल बिजेंद्र– कर्नल वसीम, राघव...एक अच्छी खबर ये है कि यहां रोबोटिक सर्जरी की सुविधा है और अभी तुरंत ही चैन्नई से इस सर्जरी के विशेषज्ञ डॉ. चैरियार से संपर्क हो गया है, बस आधे घंटे में ऑपरेशन चालू हो जाएगा...

कर्नल वसीम– ग्रेट...

राघव– पर सर...आधे घंटे में डॉक्टर चैरियार चैन्नई से कैसे आएंगे?

कर्नल वसीम– राघव जी, डॉक्टर साहब आएंगे नहीं, चैन्नई से ही ऑपरेशन करेंगे...

राघव– चैन्नई से???

कर्नल बिजेंद्र– हां राघव, ऑपरेशन यहां रोबोट करेगा...

राघव– हैं!!! कैसे?

कर्नल बिजेंद्र– अब ये तो आपको श्रीकांत ही ठीक से समझाएगा...ये रोबोट, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस सब उसी का विषय है...बाद में उसी से समझना...चलिए कर्नल वसीम...आप भी आ सकते हैं राघव जी, हम शीशे की दिवार से पूरा ऑपरेशन देख सकते हैं...आइए...

– जूतों की पास से दूर होती आवाज...

...दृश्य परिवर्तन का संगीत...

श्रीकांत– धीमी आवाज में दर्द के साथ– राघव जी...आह...वो...वो...टेरेरिस्ट ऑपरेशन का क्या हुआ?

राघव– चिल्लाकर– अरे आपको होश आ गया...सिस्टर...सिस्टर...मेजर साहब को होश आ गया है...

– जूतों की दूर से पास होती आवाजें...

डॉक्टर– नमस्कार मेजर, आई एम डॉ. चैरियार फ्रॉम चैन्नई...आज सुबह ही पहुंचा हूं और आप होश में भी आ गए...मेरा आना सफल हुआ...सिस्टर...बाकी पैरामीटर्स. ..

नर्स– सब नॉर्मल है सर...

डॉक्टर– कहीं कुछ दर्द मेजर श्रीकांत?

श्रीकांत– नहीं डॉक्टर...बस थोड़ा हाथ उठाने पर होता है और थोड़ा चेस्ट में भारीपन है...

डॉक्टर– ये समय के साथ ठीक हो जाएगा...गुड...तो मेजर साहब...आप आराम कीजिए और अपने दोस्त से बात कीजिए...बस कुछ दिन आपको और ऑब्सर्व करेंगे... वैसे आप बिल्कुल सामान्य हैं...गुड...सिस्टर...

– जूतों की पास से दूर होती आवाज...

श्रीकांत– कैसे हो राघव...कश्मीर के ऑपरेशन का क्या रहा?

राघव– अरे मेजर साहब, कैसी बात करते हो...आप अस्पताल पहुंचों और ऑपरेशन विफल हो जाए, ऐसा हो ही नहीं सकता...ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा, सभी आतंकवादी पकड़े गए या मारे गए और हमारे सात लोग घायल थे, जो अब ठीक हैं और आज आपको भी होश आ गया...सब बढ़िया...

श्रीकांत– आज तारीख क्या है?

राघव– जी, उन्नीस...

श्रीकांत– हैं...मैं क्या पंद्रह दिनों से बेहोश था???

राघव– पंद्रह नहीं श्रीकांत जी...सोलह दिन...इसबार तो आपने डरा ही दिया था...आप आराम करिए...मैं बाहर बैठता हूं...

श्रीकांत– अरे राघव जी...सोलह दिन आराम ही तो किया है...आप बैठो साथ...इसबार कोई सवाल नहीं हैं...आपके...?

राघव– **अचानक से जल्दी–जल्दी बोलता है–** क्यों नहीं हैं मेजर श्रीकांत...ये रोबोटिक सर्जरी क्या है? कौन से देश एआई में आगे हैं? एआई किन क्षेत्रों में सबसे प्रभावी होगा? अभी एआई के क्षेत्र में क्या–क्या काम चल रहा है?...अरे सर मैं तो भरा बैठा था, आपने पूछ लिया तो बता देता हूं...

– हल्की हंसी–

श्रीकांत– अरे राघव जी, आराम से अभी इतना मेरा दिमाग प्रोसेस नहीं कर पाएगा...वैसे रोबोटिक सर्जरी का आपको कैसे पता चला?

राघव– वही तो हुई है आपकी...ये डॉक्टर चैरियार ने चैन्नई में बैठे–बैठे ही आपका ऑपरेशन कर दिया...मैने सारा देखा...कमाल है सर...कर्नल वसीम कह रहे थे कि इसमें भी एआई की भूमिका है?

श्रीकांत– अच्छा तो मेरा ऑपरेशन रोबोट ने किया है...

राघव– हां...जैसे आपका मिशन भी रोबोट ने पूरा किया है...

श्रीकांत– चलिए...इसपर बाद में आएंगे...पहले ये जानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम कर रहे टॉप पांच देश कौन से हैं...फिर ये भी जानेंगे कि किन क्षेत्रों में एआई का सबसे अधिक उपयोग हो रहा है या होने की संभावना है...

राघव– जी श्रीकांत जी, पहले टॉप फाइव देश...

श्रीकांत– हां, तो सबसे पहला देश जो एआई में बहुत बड़े निवेश के साथ काफी काम रहा है वो है अमेरिका...

राघव– वो तो मैं सोच ही रहा था...

श्रीकांत– तो राघव जी, अमेरिकी सरकार अपने लोगों की एआई के जरिए कैसे सहायता करे...इसी पर पूरी योजना तैयार की गई है जैसे अमरिकी नवाचार में एआई, अमरिकी उद्योग के लिए एआई, अमरिकी कर्मचारियों के लिए एआई और अमरिकी मूल्यों के लिए एआई...

राघव– सब अमरिकियों के लिए?

श्रीकांत– और क्या...हर देश अपना पहले सोचता है...इसीलिए तो भारत में भी आत्मनिर्भर पर जोर है...अमेरिका तो आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस पर राष्ट्रीय नीति बना चुका है, जब मौजूदा अमरिकी राष्ट्रपति ने ग्यारह फरवरी, 2019 को एक्सिक्यूटिव ऑर्डर तेरह हजार आठ सौ उनसठ पर हस्ताक्षर किए थे...

राघव– समझा मेजर श्रीकांत, अमरिका में तो अब सब कुछ एआई के हाथ में आने वाला है...

श्रीकांत– हां भी और नहीं भी...खैर आगे बढ़ते हैं राघव जी...और एआई में विकास और निवेश के मामले में दूसरा देश है...

राघव– बीच में ही चिल्लाकर– रूस...पक्का रूस होगा...जब अमरिका कर रहा है तो रूस भी पक्का निवेश करेगा...तो जी दूसरे नंबर पर रूस...

श्रीकांत–थोड़ा हंसकर– नहीं राघव जी...दूसरे नंबर पर है चीन...

राघव– हैं...चीन?

श्रीकांत– हां राघव जी, चीन ने पिछले कुछ वर्षों में एआई के क्षेत्र में काफी तरक्की की है...चीन ने करीब साठ से सत्तर अरब डॉलर का निवेश एआई में किया है और आज अमरिका की तुलना में एआई या कहें डीप लर्निंग पर ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित करता है...

राघव– फिर तो ये जल्द ही नंबर एक पर आ जाएगा...

श्रीकांत– बिल्कुल राघव जी, चीन ने तय किया है कि साल 2030 तक वह दुनियां में एआई के क्षेत्र में अग्रणी होगा...चीन में सबसे अधिक काम स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहा है...जैसे सीटी स्कैन, एक्स रे आदि को एआई की डीप लर्निंग के उपयोग से तैयार किया जाता है...चीन के प्रमुख अस्पतालों की रेडियोलॉजी डिविजनों में एआई के जरिए ही विश्लेषण किया जा रहा है और व्याधिया बताई जा रही हैं। चीन में कैंसर का जल्द से जल्द पता लगाने के लिए भी एआई का उपयोग किया जा रहा है...

राघव– कमाल है...अब सर तीसरे नंबर पर कौन–सा देश है?

श्रीकांत– राघव जी तीसरे नंबर पर वो देश है जिसने आठ हजार से भी अधिक...यानी सबसे ज्यादा एआई पर शोध पत्र प्रकाशित किए हैं...

राघव– कहीं श्रीकांत जी ये देश जर्मनी तो नहीं है?

श्रीकांत– अरे वाह राघव जी, बिल्कुल सही पहचाना आपने...तीसरे नंबर पर है जर्मनी... यहां सबसे अधिक काम छोटे व मंझोले उद्योगों के लिए एआई मॉडल तैयार करने पर हो रहा है...दुनियां की कई बड़ी कंपिनयों जैसे अमेजन, पोर्शे, डाइमलर और बॉश जैसी कंपनियों ने जर्मनी में बड़ा निवेश किया हुआ है...

राघव– जर्मनी उद्योगों के लिए काफी सोचता है और अच्छी बात है कि छोटे व मंझोले उद्यागों के लिए काम हो रहा है...तो मेजर श्रीकांत जी...चौथे नंबर पर देश है फ्रांस...क्यों ये ही है ना?

श्रीकांत– राघव जी आपको क्यों लगा कि चौथे नंबर पर फ्रांस होगा?

राघव– अरे श्रीकांत जी, जर्मनी के साथ फ्रांस ही ठीक लगता है और दोनों हैं भी पास–पास...जर्मनी–फ्रांस...इसीलिए।

श्रीकांत– जी नहीं आप पूरी तरह गलत हैं...दुनिया में एआई पर चौथे नंबर पर है भारत. ..

राघव– अरे वाह...अपना भारत चौथे नंबर पर कमाल है जी...

श्रीकांत– हां राघव जी, भारत का एआई कार्यक्रम आर्थिक विकास पर तो केंद्रित है ही लेकिन साथ ही भारत के एआई प्रोग्राम में सामाजिक प्रासंगिकताओं का ख्याल रखा गया है, जो इस प्रोग्राम को पूरे विश्व में खास बनाता है...

राघव– होगा श्रीकांत जी, जरूर होगा भारत का प्रोग्राम खास...अरे सबसे खास देश जो है...

श्रीकांत– भारत के एआई कार्यक्रम के तीन प्रमुा बिंदु है...पहला है कि भारतीयों को अच्छे व सुरक्षित रोजगार प्राप्त करने की क्षमता विकसित हो, दूसरा, संसाधनों को उन अनुसंधान और क्षेत्रों में उपयोग किया जाए जो आर्थिक विकास और सामाजिक प्रभाव के विकास में योगदान दें, और तीसरा, भारत में निर्मित एआई समाधान पूरी दुनिया के विकासशील देशों के काम आ सकें...

राघव– भारत है श्रीकांत जी...हमारा भारत...दुनिया के विकासशील और गरीब देशों की तो सोचेगा ही...

श्रीकांत– हां राघव जी, वो तो है...तो चलिए पांचवा देश भी जान लेते हैं...अं...आप राघव जी कोई तुक्का लगाना चाहेंगे...

राघव– जी मेजर श्रीकांत मेरे हिसाब से जापान या दक्षिण कोरिया होना चाहिए...वैसे मेरा मन रूस की ओर है पर जापान ज्यादा लग रहा है...क्यों ठीक ना सर?

श्रीकांत– नहीं राघव जी, गलत...पांचवे नंबर पर है कनाडा...

राघव– अच्छा जी...कनाडा...एआई में इतना आगे...

श्रीकांत– राघव जी, कनाडा दुनिया का पहला देश है जिसने राष्ट्रीय एआई कार्यप्रणाली जारी की है...जिसके तहत अगले पांच साल में कनाडा की सरकार बारह करोड़ पचास लाख कनाडियाई डॉलर एआई पर शोध और प्रतिभा ढूंढने में लगाएगी...

– तभी जूतों की पास आने की आवाज...

नर्स– जी मैम...मेजर साहब जगे हुए हैं...

– एक जोड़ी जूतों की आवाज...

मेजर कल्याणी– नमस्कार मैं मेजर कल्याणी...डॉक्टर मेजर कल्याणी...आप लोग अभी तक बातें कर रहें हैं...आप...सुबेदार मेजर राघव जी हैं ना...आप तो जानते हैं कि मेजर श्रीकांत काफी सीरियस हैं...

श्रीकांत– ठीक कहा मेजर कल्याणी जी...पर राघव जी के बातें करके कुछ सीरियसनेस चली जाती है...

– हल्की हंसी –

कल्याणी – वैसे मेजर साहब, आज ही होश में आए हैं...बातें तो बाद में भी होती रहेंगी...

राघव– जी मेजर कल्याणी जी...बातें तो बाद में भी होती रहेंगी...पर ये बातें नहीं हो पाएंगी...

कल्याणी– क्यों...कुछ खास...सिस्टर...ये फाइल ले जाइए...मैं अभी कुछ देर यहीं हूं...थैंक्स... जी...राघव जी...कुछ खास...

श्रीकांत– हां मेजर कल्याणी...हम लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा कर रहे थे... असल में, मैं जब भी घायल होता हूं तो मैं और राघव जी एआई पर ही बातें करके समय निकाल देते हैं...

राघव– जी हां मैम अब तो एक नियम सा बन गया है...

कल्याणी– नियम? लगता है मेजर श्रीकांत, आप नियम से घायल होते रहते हैं...वैसे एआई का टॉपिक इंटरेसिटिंग है...मेरी भी काफी रूचि है इसमें...चलिए जबतक आपको मैं नींद की दवा नहीं देती तबतक इसपर ही चर्चा कर लेते हैं...क्यों?

राघव– ये अच्छा रहेगा...आप बैठिए मेजर कल्याणी जी...हां तो मेजर श्रीकांत जी...अब एआई पर टॉप पांच देश तो हो गए...अब ये बताइए कि मौजूदा समय में किन–किन से क्षेत्रों में एआई पर अधिक काम चल रहा है...

कल्याणी– राघव जी, काम तो कई क्षेत्रों में चल रहा है पर प्रमुख हैं रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सेवाएं, वित्त सेवाएं, पर्यटन और परिवहन, सोशल मीडिया और मार्केटिंग...

श्रीकांत– अरे वाह, मेजर कल्याणी जी लगता है आपकी एआई में रुचि कुछ ज्यादा ही है...वाह...

कल्याणी– जी मेजर श्रीकांत...मैने कहा था...

राघव– तो जैसा मेजर कल्याणी जी आपने बताया...रोबोटिक्स, इसमें खास क्या हो रहा है...

कल्याणी– देखिए राघव जी, अभी तक रोबोट खुद सोचकर तो कुछ कर नहीं पाते थे, लेकिन अब एआई की मदद से कुछ सीमित रूप में समस्याओं के सामधान ढूंढने और कुछ सोचने की क्षमता विकसित हो गई है जैसे घर की सफाई के लिए रूमबा या आई रोबोट जो एक तश्तरी के आकार के होते हैं...अब इसमें नया रूमबा 980 मॉडल कमरे का आकार का सही–सही आंकलन कर लेता है, बाधाओं की पहचान कर लेता है और सफाई के लिए सबसे दक्षतापूर्ण रास्ते और तरीके क्या हैं, ये भी पता लगा लेता है...

श्रीकांत– सही कहा मेजर...और राघव जी ये सब कुछ से अपने आप तय करता है कि जैसे कितनी सफाई की आवश्यकता है और खुद ही चार्जिंग पर लग जाता है...

कल्याणी– अब आप सब सोफिया रोबोट के बारे में तो जानते ही हैं जो बेहद एडवांस रोबोट है जिसे ह्यूमनॉयड रोबोट कहते हैं जिसे हांगकांग की कंपनी ने बनाया है...ऐसे ही ओली नामक एआई–असिस्टेंट बनाया गया है जिसे आवाज से नियंत्रित करते हैं...

राघव– पर ऐसे तो कई उपकरण हैं...मेरी बेटी ही अभी एक स्पीकर लाई जिससे जो गाना या जो खबर सुननी हो...वो बोलो...बस वो ही चला देता है...

कल्याणी– ठीक कहा राघव जी...पर ओली में फर्क है...

राघव– क्या फर्क है जी?

कल्याणी– ओली की पर्सनल्टी इवोल्व होती रहती है...असल में इसे बनाया ही प्रकार गया है कि अंततः ये अपने स्वामी की ही तरह हो जाए...वैसा ही सोचे...किसी परिस्थिति में अपने मालिक जैसा की बर्ताव करे...गाने भी वैसे ही पसंद करेकृ मालिक की भाव–भंगिमाएं समझ सके...ओली में चलने की क्षमता है और आपके मूड को समझने की भी...

श्रीकांत– अब हेल्थकेयर में ही देखो...पैथएआई एक ऐसी टेक्नोलॉजी है जो टिश्यू के सैंपल आदि देखकर और जांचकर सही डायग्नोसिस करता है और इस प्रकार किसी रोग को पकड़ने में पैथोलॉजिस्ट की सहायता करता है...

कल्याणी– हां, अब एआई का उपयोग दर्द का पता लगाने और इलाज से लेकर नई दवाओं की खोज में भी किया जा रहा है। और रोबोट से ऑपरेशन तो आपने देख ही लिया...हालांकि, इसे दूर से ऑपरेट किया जाता है और अभी इसे स्मार्ट कहा जा सकता है परंतु एआई आधारित नहीं, लेकिन जल्द ही ऐसे रोबोट आ जाएंगे जो बीमारी का पूरा डाटा लेकर, सर्जरी का निर्णय लेने और सर्जरी करने में भी पूरी तरह सक्षम होंगे...

राघव– फिर आप लोगों की नौकरी तो गई...अं...मेरा मतलब खतरे में तो पड़ ही जाएगी...

कल्याणी– राघव जी, मशीन कभी की मानव का विकल्प नहीं हो सकती...खैर अब वित्तीय सेवाओं में एआई की बात कर लें...

राघव– अं...जी...मेजर...कल्याणी जी...हम कुछ जल्दी नहीं चल रहे?

कल्याणी– जी राघव जी, मैं चाहती हूं कि ये एआई का सेशन जल्दी खत्म हो क्योंकि मेजर श्रीकांत के लिए अभी आराम ज्यादा जरूरी है...खैर फाइनेंस में तो काफी काम हो रहा है, जो लोग शेयर, स्टॉक आदि में निवेश करते हैं...उनके लिए पूरा फाइनेंस मेनैजमेंट का काम ही एआई आधारित रोबोट करने लगा है, जो बाजार के उतार–चढ़ाव से लेकर आनी वाली परिस्थितियों का आंकलन करके आपका पोर्टफोलियो तैयार करता है और यहां तक आपके टैक्स आदि भी भरने की क्षमता इसमें है...

श्रीकांत– देखा राघव जी, आपको कहां निवेश करना चाहिए, कितना करना चाहिए, ये सब जानकारी के साथ टैक्स के झंझट से भी मुक्ति...अब जैसे वर्च्युअल ट्रैवल असिस्टेंट के द्वारा आपकी यात्रा का सब इंतजाम जैसे आपकी पसंद के अनुसार पर्यटन स्थल का चयन, यात्रा का प्लॉन, हवाई जहाज की बुकिंग, होटल की बुकिंग आदि सबकुछ एक रोबोट कर देता है और साथ ही आपके पैसों की बचत के लिए हर प्रकार की स्कीम का लाभ भी आपको अपने आप दिलवा देता है...

कल्याणी– बस ठीक है, अब ये बातचीत खत्म...सिस्टर नींद की दवा ले आइए...मेजर श्रीकांत...आज के लिए इतना ही काफी है...

राघव– ठीक कहा मेजर कल्याणी जी ने...पर ये जो मोबाइल पर नक्शा आता है, ये जो रास्ता पता चलता है, ये भी एआई आधारित है...

श्रीकांत– बिल्कुल सही राघव जी...और बिना ड्राइवर के चलने वाली कारें, बसे तो चलनी शुरू हो गई हैं...और मार्केटिंग में तो एआई काफी मदद कर रही है...

राघव– अच्छा...कैसे मेजर साहब?

कल्याणी– मैं बता दूंगी आपको...मेजर श्रीकांत ये दवा ले लीजिए...गुड...अब आराम करिए...

श्रीकांत– पर एकदम से नींद थोड़े ना आएगी...तब तक मार्केटिंग...जरा...

कल्याणी– **छोटे** और मंझोले उद्योगों के लिए एआई आधारित मार्केटिंग व्यवस्था काफी लाभकारी साबित हो रही है, जैसे किस उत्पाद की किस क्षेत्र में मांग है, उपभोक्ताओं की इनसाइट रिपोर्ट जिससे उत्पाद को सही तरीके से पेश करने में सहायता मिलती है....

श्रीकांत– बस राघव जी ये समझिए कि किसी उत्पाद को उसके कस्टमर तक पहुंचाने से लेकर कौन से उत्पादों के लिए बाजार अच्छा है...ये सब जानकारी एआई के जरिए मिल जाती है...

राघव– अरे वाह मेजर श्रीकांत, अब तो फौज से रिटायर होने बाद कोई बढ़िया बिजनेस शुरू किया जाए...पूरी जानकारी तो आपकी एआई दे ही देगी...क्यों सर...सर...

–खर्राटों की आवाज–

कल्याणी– बस सुबेदार मेजर राघव जी...आपके मेजर श्रीकांत सो गए हैं...चलिए मैं और आप भी चलते हैं...सिस्टर...

सिस्टर– जी डॉक्टर...

कल्याणी– दवा का ख्याल रखिएगा...मुझे फोन करते रहना...मैं और राघव जी अभी साथ ज रहे हैं...कोई बात हो तो कीप मी इंफार्मड...चलिए राघव जी...

राघव– जी...चलिए ये अच्छा कुछ एआई पर और पूछना होगा तो आापसे रास्ते में पूछ लूंगा...

– चलते जाने की आवाज–

कल्याणी– जी राघव जी जरूर...वैसे आप कहां से हैं...

- आवाज हल्की होती जाती है और खर्राटों की आवाज बढ़ती जाती है -

- समाप्त -